राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर

"मानचित्रण एवं भू-स्थानिक तकनीक" पर कार्यशाला

भूगोल विभाग

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसाला का आयोजन "मानचित्रण एवं भू-स्थानिक तकनीक" पर प्रारंभ हुई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ सबीना बानो (भूगोल विभाग महिला महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ विक्रम शर्मा (भूगोल विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) रहे। डॉक्टर सबीना बानो ने मानचित्र कला के इतिहास उसके विभिन्न तकनीकों उसके विकास क्रम तथा दैनिक जीवन में उसके उपयोग को लेकर प्रतिभागियों को जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे डॉक्टर विक्रम शर्मा ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के विभिन्न उपयोग से कार्यशाला के प्रतिभागियों को परिचित कराया प्रतिभागियों के जागरूकता के क्रम में उन्होंने विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों में जाकर उन्हें इस तरह के कोर्स करने हेतु प्रेरित भी किया। साथी आप ने यह भी बताया कि दुनिया के मात्र पांच देश हैं जो इस उन्नत तकनीक का प्रयोग करते हैं अतः भारत सरकार कि यह योजना है कि भारतीय नागरिकों का भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग प्रतिशत 4% से बढ़ाया जाए । जिसके लिए इसरो को इस तकनीक के प्रचार-प्रसार की

जिम्मेदारी दी गई है।

About the College:

The Government Girls' P.G. College, Ghazipur is one of the most prestigious institutes in eastern U.P. ; was established on December 03, 1977. Its motto "उत्तिष्ठत , जाग्रत, प्राप्य, वरान्निबोधत " (Arise, Awake, Find Learned People and Acquire Knowledge) inspired the college to achieve its objective of excellence in higher education. The college has been assessed by the NAAC in November, 2016 and accredited 'B++' grade. The college is well renowned in Uttar Pradesh for its healthy teaching-learning environment, administration and discipline maintained by its efficient and competent teaching and administrative staff.

At present, the college has the teaching facilities in 18 subjects of Arts and 05 subjects of Sciences for pursuing one's career. There are around 3200 students enrolled for studies in various disciplines. The college also offers Post Graduate courses in eight subjects having permanent affiliation to the Veer Bahadur Singh Purvanchal university, Jaunpur and approved by Government of Uttar Pradesh. In several departments Research Scholars are enrolled for Ph.D. degree. To provide opportunity for working women and non-regular students to continue their study, there is a study centre in the college governed by Rajarshi Purushottam Das Tandon Open University, Allahabad, UP.

About the Workshop

Maps can be understood as tools to order information by their spatial context, it can be seen as the perfect interface between a human user and all that big data and thus enable human users to answer location-related questions, to support spatial behaviour, to enable spatial problem solving, or simply to be able to become aware of space. Today, maps can be created and used by any individual stocked with just modest computing skills from virtually any location on earth and for almost any purpose. In this new mapmaking paradigm, users are often present at the location of interest and produce maps that address needs that arise instantaneously. Cartographic data may be digitally and wirelessly delivered in finalized form to the device in the hands of the user. Rapid advances in technologies have enabled this revolution in mapmaking by the millions. Real-time data handling and visualization are other significant developments, as well as location-based services, mobile cartography, and augmented reality. Abstracting reality makes a map powerful, as it helps to understand and interpret very complex situations very eficiently.

Themes and Topics

- Historical Development of Cartographic Techniques.
- World of Mapping Science
- Geological Maps : Study of past and Future
- Art of Map Making, Science of image interpretation
- Map Projections.
- Geospatial Techniques: Remote Sensing and GIS
- Arc GIS and Q-GIS
- Cyber Security
- Digital Resources

Organizing Committee

Co- Convener
Dr. Akbare Azam

Advisory Council:
Dr. Deepti Singha *Dr. Satyendra Singh*
Dr. Anita Kumari *Dr. Umashankar Prasad*

Coordinators:
Dr. S.S. Prasad *Dr. Vikash Singh*
Dr. Sangita *Dr. Diwakar Mishra*

Technical Advisors:
Dr Niranjan Kr. Yadav *Miss Suman*
Dr Ramnath Kesharwani *Mrs Neha*

Finance:
Mr. Harendra Yadav
Mr. Piyush Singh
Mr. Radheshyam Kushwaha

Reception:
Mrs. Sarika Singh *Dr. Sikha Singh,*
Mr. Abhishek Kumar *Dr. Gazanffar Saeed*

Media and Promotion:
Mr. Shiv Kumar *Dr. Anand Chaudhary*
Dr. Manish Sonkar *Miss Lovely Singh*

Management and Facilitation:
Dr. Amit Yadav *Mr. Ekhlaque Khan*
Dr. Sashikala Jaiswal *Miss Om Shivani*

Nutriment and Accommodation:
Dr. Shailendra Kumar Yadav
Dr. Rajesh Yadav
Mr. Shivam Singh

कार्यशाला के दूसरे सत्र में इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय दिल्ली से जुड़े प्रोफेसर महेंद्र सिंह नाथावत ने इस सूचना प्रणाली से प्रतिभागियों को लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग से पधारे डॉ सरवन कुमार ने पर्यावरण अध्ययन तथा जल संसाधनों के संरक्षण में इस तकनीक के उपयोग से लोगों को परिचित कराया। आपने वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव के

मापन की तकनीकों के विषय में विस्तार से चर्चा की।

हिन्दुस्तान

वाराणसी, शुक्रवार, 25 मार्च 2022 | 04 | गाजीपुर

जानकारी | मानचित्रण व भू-स्थानिक तकनीक पर कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय समेत कई संस्थानों के लोगों ने मान लिया

दैनिक जीवन और विकास क्रम में उपयोगी होती है मानचित्र कला

गाजीपुर, संवाददाता। राजकीय महिला पीजी कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन मानचित्रण एवं भू-स्थानिक तकनीक पर हुआ। इसके मुख्य अतिथि डॉ. सबीरा बानो भूगोल विभाग महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय व विशिष्ट अतिथि डॉ. विक्रम शर्मा भूगोल विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय रहे। डॉ. सबीरा बानो ने मानचित्र कला के इतिहास के विभिन्न तकनीकों उसके विकास क्रम और दैनिक जीवन में उसके उपयोग को लेकर प्रतिभागियों को अवगत कराया।

राजकीय महिला पीजी कालेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित शिक्षिक-शिक्षिकाएं व छात्राएं। • हिन्दुस्तान

विभिन्न उपयोग से कार्यशाला के प्रतिभागियों को परिचित कराया। प्रतिभागियों के जागरूकता के क्रम में उन्होंने विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में जाकर उन्हें इस तरह के कोर्स करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय दिल्ली से जुड़े प्रो. महेंद्र सिंह नाथावत ने इस सूचना प्रणाली से प्रतिभागियों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के डा. सरवन कुमार ने पर्यावरण अध्ययन व जल संसाधनों के संरक्षण में इस तकनीक के उपयोग से लोगों को परिचित कराया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ प्रो. सविता भारद्वाज ने किया। डॉ. संतन कुमार राम ने कार्यक्रम की रूप रेखा बताई। महाविद्यालय की डॉ. अनिता, विकास सिंह, डॉ. सारिका सिंह, डॉ. निरंजन यादव, डॉ. अक्बरे आजम, डॉ. राजेश यादव, डॉ. शैलेंद्र यादव, डॉ. आनंद चौधरी, डॉ. मनीष सोनकर, डॉ. रामनाथ केसरवानी, डॉ. पीयूष, ओम शिवानी, डॉ. शिखा सिंह, सुमन ने भाग लिया।

योग से शरीर और मन दो रहता है स्वस्थ

गाजीपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना राजकीय महिला पीजी कालेज के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन डा. अमित यादव ने स्वयं सेविकों को योग और ध्यान कराकर प्रारंभ कराया। डा. अमित यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि योग और ध्यान का गहरा संबंध है। इससे शरीर और मन दोनों स्वस्थ और सुदृढ़ बना रहता है। छात्राओं ने नवापुरा आदि जगहों पर रैली निकाली। जहां पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। शाम को विचार गोष्ठी हुई। इसमें कुटीर, ग्रामोद्योग, जनधन योजना

शिविर में जानकारी देते शिक्षक

स्वयंसेवक विषय पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अजय कुमार गुप्त जिला उद्योग उपायुक्त ने कुटीर एवं ग्रामोद्योग, जनधन योजना, स्टार्टअप पर अपने बात रखते हुए सरकार के समय योजनाओं पर चर्चा की।

अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ प्रो. सविता भारद्वाज द्वारा किया गया । संयोजक डॉ संतन कुमार राम ने कार्यक्रम की रूप रेखा बताई। इस अवसर पर महाविद्यालय की डॉ अनिता, डॉ शंभू शरण प्रसाद, डॉ उमाशंकर प्रसाद, डॉ. विकास सिंह, डॉ सारिका सिंह, डॉ निरंजन यादव, डॉ अक्बरे आज़म, डॉ राजेश यादव, डॉ शैलेंद्र यादव, डॉ आनंद चौधरी, डॉ मनीष सोनकर, डॉ रामनाथ केशरवानी, डॉ पीयूष, ओम शिवानी, डॉ शिखा सिंह, एवं सुमन तथा विभिन्न शहरों से आए विद्वान तथा प्रतिभागी उपस्थित रहे ।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में भूगोल विभाग द्वारा उत्तर सरकार द्वारा वित्तपोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। 24 एवं 25 मार्च को आयोजित इस कार्यशाला का विषय रहा "कार्टोग्राफी एंड जिओस्पेशियल टेक्नोलॉजी"। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रातः

09:00 बजे डा.संजीव सिन्हा NATMO कोलकाता, का व्याख्यान हुआ जिसका विषय था " भूस्थानिक तकनीक में संभावनाएं"। डिजिटल रिसोर्स विषय पर मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण डॉ आलोक चौहान VMOU कोटा -राजस्थान ने प्रदान किया । इसके उपरांत डॉ संजीव कुमार चौबे भूगोल विभाग, सतीश चंद्र कॉलेज बलिया, "जियोस्पेशल तकनीक" पर व्याख्यान दिया। डॉ संजय भारती नेहरू ग्राम्य भारती प्रयागराज, प्रोफेसर एन के राना बीएचयू तथा डॉ उमाकांत सिंह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के द्वारा उच्च स्तरीय व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर बलिया से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल आर्यावर्त शोध विकास पत्रिका का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला में सतीश चंद्र बलिया कॉलेज, महिला महाविद्यालय, सहजानंद कॉलेज, पी जी कॉलेज, सत्यदेव डिग्री कॉलेज, बीएचयू, चंदौली, भदोही जैसे शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित छपरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह ने राष्ट्रीय कार्यशाला की गरिमा को और भी ऊंचाइ प्रदान की। समापन समारोह में बोलते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण होता है।यह कार्यशाला उस ज्ञान को सीखने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि भोज विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रो आनंद सिंह ने ज्ञान को परिधि मुक्त बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रोफेसर सविता भारद्वाज ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला बहु उपयोगी एवं अत्यंत प्रासंगिक है। प्रतिभागी ज्ञान के इस नए आयाम को सीखकर इससे लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ संतन कुमार राम में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी मानचित्रकारों तथा मानचित्र कला की विभिन्न तकनीको से अवश्य लाभान्वित होंगे। मानचित्रकार के रूप में करियर बनाने की दिशा

में भी उनमें अभिरूचि के विकास में यह राष्ट्रीय कार्यशाला सहायक होगी। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन में डॉ सत्येंद्र सिंह , डॉ अकबरे आजम, डॉ उमाशंकर,डॉ पीयूष, रामनाथ केसरवानी, डॉ सारिका सिंह, डॉ निरंजन यादव , डॉ शशिकला जायसवाल,ओम शिवानी, डॉ विकास सिंह, डॉ मनीष कुमार, डॉ सुमन आदि ने अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। समापन सत्र का संचालन डॉ निरंजन कुमार यादव जी ने किया।

कार्यशाला से मिलती है लोगों को नए आयाम की सीख

- राजकीय महिला पीजी कॉलेज में आयोजन
- कार्यशाला में शिक्षकों व छात्राओं ने भाग लिया

गाजीपुर, संवाददाता। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूगोल विभाग की ओर से वित्तपोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का विषय कार्टोग्राफी एंड जिओस्पेशियल टेक्नोलॉजी रहा। इस राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन डा. संजीव सिन्हा ने एनएटीएमओ कोलकाता का व्याख्यान दिया।

इसका विषय भूस्थानिक तकनीक में संभावनाएं, डिजिटल रिसोर्स विषय पर मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण डॉ. आलोक चौहान वीएमओयू कोटा-राजस्थान ने प्रदान किया। इसके उपरांत डॉ. संजीव कुमार चौबे भूगोल विभाग, सतीश चंद्र कॉलेज बलिया, ह्जियोस्पेशल तकनीकह्न पर व्याख्यान दिया। डॉ. संजय भारती नेहरू ग्राम्य भारती प्रयागराज, प्रो. एनके राना बीएचयू तथा डॉ. उमाकांत सिंह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की ओर से उच्च स्तरीय व्याख्यान दिया। बलिया से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल आर्यावर्त शोध विकास पत्रिका का विमोचन अतिथियों ने किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला में सतीश चंद्र बलिया कॉलेज, महिला महाविद्यालय, सहजानंद कॉलेज, पीजी कॉलेज, सत्यदेव डिग्री कॉलेज, बीएचयू, चंदौली, भदोही जैसे शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छपरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह ने राष्ट्रीय कार्यशाला की गरिमा को और भी ऊंचाइ प्रदान की। समापन समारोह में बोलते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि ज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण होता है।

यह कार्यशाला उस ज्ञान को सीखने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि भोज विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रो आनंद सिंह ने ज्ञान को परिधि मुक्त बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रो. सविता भारद्वाज ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला बहु उपयोगी एवं अत्यंत प्रासंगिक है। प्रतिभागी ज्ञान के इस नए आयाम को सीखकर इससे लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय कार्यसाला के संयोजक भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ संतन कुमार राम में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी मानचित्रकारों तथा मानचित्र कला की विभिन्न तकनीको से अवश्य लाभान्वित होंगे। मानचित्रकार के रूप में करियर बनाने की दिशा में भी उनमे अभिरूचि के विकास में यह राष्ट्रीय कार्यशाला सहायक होगी।

राजकीय महिला पीजी कालेज में आयोजित कार्यशाला में दी गयी उपयोगी जानकारी।